विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 15-06-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

: विसर्ग संधि के बाद स्वर या व्यंजन आने से जो संधि होती है उसे: संधि कहते हैं: संधि के निम्नलिखित प्रकार हैं

उत्व संधि:-यदि पूर्व पद अंतिम वर्ण हो तथा उत्तर पद का पहला वर्ण या किसी भी वर्ग का तीसरा चौथा पांचवा अथवा य र ल व ह हो तो

निसर्ग का ओ तथा अ का स्वर का अवग्रह (ऽ) हो जाता है जैसे-

राम: + अस्ति
अ: + अ
ओ + ऽ
= रामोऽस्ति

राम: + गच्छति = रामो गच्छति
स: + अपि = सोऽपि
क: + अत्र = कोऽत्र
क: + गच्छति = को गच्छति

रुत्व सन्धि:

यदि 'अ या आ' को छोड़कर किसी अन्य स्वर के बाद विसर्ग हो तथा विसर्ग के बाद कोई स्वर हो या किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ अक्षर हो, या य्, र्, ल्, व्, ह् हो, तो विसर्ग (:) का 'र्' हो जाता है। जैसे-

मुनि: + अयम् = मुनिरयम्
तै: + भक्ष्यते = तैर्भक्ष्यते
मुनि: + गच्छति = मुनिर्गच्छति
यति: + अयम् = यतिरयम्

विसर्गस्य लोप:

यदि विसर्ग से पहले 'अ' हो और उसके बाद 'अ' से भिन्न स्वर हो, तो विसर्ग का लोप होता है। जैसे-

राम: + आगच्छति। = राम आगच्छति
विमल: + एव = विमल एव
देव: + आगच्छति = देव आगच्छति
राकेश: + इच्छति = राकेश इच्छति

अभ्यासा: (*Exercises*)

1. **विकल्पेभ्य: उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–**
विकल्पों से उचित उत्तर चुनकर लिखिए–

(*i*) रत्न+आकर: = ...
(क) रत्नाकरम् ☐ (ख) रत्नाकरा ☐ (ग) रत्नाकर: ☐ (घ) रत्नाकरस्य ☐

(*ii*) मुनि:+इयम् = ...
(क) मुनीयम् ☐ (ख) मुनिरियम् ☐ (ग) मुनेऽयम् ☐ (घ) मुनी इयम् ☐

(*iii*) ने+अनम् = ...
(क) नैनम् ☐ (ख) नायनम् ☐ (ग) नयनम् ☐ (घ) नीयनम् ☐

(*iv*) यदि+अपि = ...
(क) यद्यपि ☐ (ख) यदापि ☐ (ग) यथापि ☐ (घ) यथैव ☐

(*v*) जगत्+ईश: = ...
(क) जगतेश: ☐ (ख) जगदीश: ☐ (ग) जगतैश: ☐ (घ) जगतिश: ☐

(*vi*) सत्+जन: = ...
(क) सञ्जन: ☐ (ख) सद्जन: ☐ (ग) सज्जन: ☐ (घ) सजन: ☐